an>

Title: Need to include the biography of Avanthibai Lodhi in school curriculum.

श्रीमती अनुप्रिया पटेल (मिर्ज़ापुर) ः रानी अवंतीबाई लोधी भारत के पृथम स्वाधीनता संग्राम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली वीरांगना थी। 1857 की क्रांति में मध्य पृदेश के रामगढ़ की रानी अवंतीबाई लोधी रेवांचल में मुक्ति आंदोलन की सूत्रधार थी। 1857 के मुक्ति आंदोलन में इस राज्य की अहम भूमिका थी, जिससे इतिहास जगत अनभिज्ञा है। रामगढ़ के राजा विक्रमाजीत सिंह को विक्षिप्त तथा उनके पुत्रों को नाबालिग घोषित कर रामगढ़ राज्य को हड़पने की दृष्टि से अंग्रेज शासकों ने **""कोर्ट ऑफ वाड्र्स""** की कार्यवाही करके राज्य के पूशासन के लिए सरबराहकार नियुक्त कर दिए थे। अंग्रेज शासकों की इस हड़प नीति का परिणाम भी रानी जानती थी, फिर भी दोनों सरबराहकारों को उन्होंने रामगढ़ से बाहर निकाल दिया। 1855 ई. में जब राजा विक्रमाजीत सिंह की एक दुर्घटना में मृत्यु हो गई, रानी अवंतीबाई लोधी ने यह संकल्प लिया कि वो अंग्रेजों को अपना राज्य हड़पने नहीं देंगी। इसलिए उन्होंने 4000 सैनिकों की सेना तेयार करके अंग्रेजों के खिलाफ मोर्चा खोला। इस जंग में हार का सामना करने के बाद उन्होंने अपनी ही तलवार घोंप कर अपनी जान ले ली।

अतः मेरा मानव संसाधन विकास मंत्री जी से अनुरोध है कि उनके संघर्षों के विवरण को स्कूली शिक्षा के इतिहास के पाठ्यक्रम में सम्मिलित किया जाए ताकि आने वाली पीढ़ियां देश की आज़ादी की इस वीरांगना के बारे में जाने।